>

Tilte: Shortage of Potash and Potash based fertilizers in Maharashtra.

श्री हरिभाऊ जावले (रावेर): उपाध्यक्ष महोदय, अभी मानसून सत्र चल रहा है और मानसूत्र सत्र का आज आठवां दिन है। पूरे देश में 60 प्रतिशत आबादी किसानों की है। मैं सदन के सामने किसानों की समस्या को रख रहा हूँ। पूरे देश और विशेष कर महाराष्ट्र राज्य में किसानों की समस्या उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर है। उर्वरकों में पोटाश खाद पूरे देश में कहीं भी नहीं मिल रही है। महाराष्ट्र राज्य ने केन्द्र सरकार से 2.6 लाख मिट्रिक टन पोटाश की मांग की थी। अभी केन्द्र सरकार में उर्वरक मंत्री कौन हैं, हमें यह भी मालूम नहीं है। हमने 2.6 लाख मिट्रिक टन पोटाश की डिमांड की थी, जिसमें से केवल 50 हजार मिट्रिक टन पोटाश ही मिला है। अगर महाराष्ट्र के किसानों को 20 प्रतिशत पोटाश मिलेगा तो वहां कोई भी उत्पादकता नहीं होगी। जब सदन में मांगों के ऊपर चर्चा होती है तो सभी ओर से खाद्यान्नों की मंहगाई पर अटैक होता है। लेकिन किसानों के बारे में कोई नहीं सोचता है। किसानों को उर्वरक मिलता नहीं है। उर्वरकों की शार्ट सप्लाई है, शार्ट सप्लाई से कालाबाज़ारी होती है और कालाबाज़ारी होने से महंगाई होती है। इसी वजह से हमारा किसान मर रहा है। मैं आपके माध्यम से सदन में यह मांग रखता हूँ कि महाराष्ट्र राज्य में पोटाश की त्वरित उपलब्धता कराई जाए। 4 अगस्त को हमारा तारांकित प्रश्न था। हमारी सरकार ने भी यह मान्यता दी है कि पोटाश की उपलब्धता नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय : संक्षिप्त करें।

श्री हरिभाऊ जावले : उपाध्यक्ष महोदय, यह गंभीर मामला है जो कि किसानों से संबंधित है। मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूँ कि मुझे थोड़ा टाईम दीजिए। पोटाश खाद कहीं भी नहीं मिल रही है। जलगांव जिला, जो मेरा संसदीय क्षेत्र रावेर है, वहां से पूरे देश में केला सप्लाई होता है। केला गरीबों और आम आदमी का फल माना जाता है। अगर केले के लिए पोटाश खाद नहीं मिलेगी तो तो जलगांव के किसानों को हजारों-करोंड़ों रूपयों का नुकसान हो सकता है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि जलगांव जिले में पोटाश खाद की त्वरित उपलब्धि कराई जाए। अगर पोटाश नहीं मिलती है तो किसान वॉटर सॉल्युएबल पोटाश को महंगा होने के कारण इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। इसलिए वॉटर साल्युएबल फर्टीलाइज़र पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाए। अगर पोटाश नहीं मिली तो सिगाटोगा नाम की डिज़ीज़ जो कि केले के ऊपर होती है, वह होगी। अभी कृषि मंत्रालय ने उसके ऊपर 90 करोड़ रूपये खर्च करने के लिए कहा है। अगर पोटाश नहीं मिली तो 90 करोड़ रूपये पानी में जाने वाला है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को सूचित करना चाहता हूँ महाराष्ट्र में पोटाश त्वरित दी जाए। अगर पोटाश नहीं दे सकते हैं तो वॉटर साल्युबल पोटाश पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाए। मेरी यही डिमान्ड है।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री ए.टी. नाना पाटील, श्री सी.आर.पाटिल, श्री शिवकुमार उदासी एवं *m06 श्रीमती ज्योति धुर्वे स्वयं को श्री हरिभाऊ जावले से संबद्ध करते हैं।